संलग्नक सं. 2.28 (38)

प्रपत्र-26

कार्यालय मुख्य अभियंता, कुमायूँ क्षेत्र
लोक निर्माण विभाग, अल्मोड़ा

पत्रांक 23/ए–1/ कुमायूँ /2011 दिनांक 05–07–2011

सेवा में

अधिशासी अभियंता,
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0विभाग,
अल्मोड़ा।

विषयः– जनपद अल्मोड़ा में कठपुड़िया–बंगसर मोटर मार्ग के 3.00 कि0मी0 सड़क संरेखन का भू–गर्भीय निरीक्षण।

जनपद अल्मोड़ा में बडगल रौतेला से कठपुड़िया–बंगसर मोटर मार्ग के 3.00 कि0मी0 सड़क संरेखन की भू–गर्भीय निरीक्षण आख्या संख्या जी–23/ सड़क संरेखण/ कुमायूँ / 2011 की एक प्रति सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित् की जा रही है।

5.7.2011

संलग्नकः– उपरोक्तानुसार

(मणि कर्णिका मिश्र)
भूवैज्ञानिक
कार्यालय मुख्य अभियंता,कुमायूँ क्षे0
लो0नि0विभाग,अल्मोड़ा

पत्रांक 23/ ए–1 / कुमायूँ / 2011 तद्दिनांक

प्रतिलिपि :–

1– अधीक्षण अभियंता, प्रथम वृत, लो0नि0वि0, अल्मोड़ा को उपरोक्त आख्या की एक प्रति सहित् सूचनार्थ एवं आव यक कार्यवाही हेतु प्रेषित्।

2– वरिष्ठ भू–वैज्ञानिक कार्यालय मुख्य अभियन्ता स्तर–1, लो0नि0वि0, देहरादून को सूचनार्थ प्रेषित।

2– भूवैज्ञानिक, लो0नि0वि0, अल्मोड़ा को उक्त आख्या की एक प्रति सहित सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित्।

संलग्नः– उपरोक्तानुसार प्रत्येक।

भूवैज्ञानिक
लो0नि0विभाग,अल्मोड़ा

संलग्नक सं. 2128A (34)

कार्यालय मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग, अल्मोड़ा

भूगर्भीय खण्ड

उत्तराखण्ड शासन

भूगर्भीय निरीक्षण आख्या जी 23/सड़क संरेखण/कुमायूँ / 2011

जनपद अल्मोड़ा में बडगल रौतेला से कठपुड़िया–बंगसर मोटर मार्ग के 3.00 कि0मी0 सड़क संरेखन की भू–गर्भीय निरीक्षण आख्या।

जुलाई 2011

जनपद अल्मोड़ा में बडगल रौतेला से कठपुड़िया–बंगसर मोटर मार्ग के 3.00 कि0मी0 सड़क संरेखन की भू–गर्भीय निरीक्षण आख्या।

1– प्रस्तावनाः–

जनपद अल्मोड़ा में बडगल रौतेला से कठपुड़िया–बंगसर मोटर मार्ग के 3.00 कि0मी0 भाग का बनाना प्रस्तावित है। अधिशासी अभियंता के अनुरोध पर स्थल का निरीक्षण दिनांक 08.06.2011 को श्री राजेन्द्र नारायण सहायक अभियंता एवं श्री सी0 एस0 रौतेला कनिष्ठ अभियन्ता प्रान्तीय खंड, लो0नि0विभाग, अल्मोड़ा के साथ अधोहस्ताक्षरी द्वारा किया गया । स्थल का निरीक्षण, स्थल संरचना व बनावट भूगर्भीय एवं पर्यावरणीय परिस्थितियों के अध्ययन हेतु किया गया ताकि इस मोटर मार्ग के निर्माण हेतु आवश्यक सुझाव दिया जा सके ।

2–स्थितिः–

11. यह संरेखन शीतलाखेत–कठपुड़िया–दौलाघट मोटर मार्ग के कि0मी0 11.00 से प्रारम्भ होता है।
12. भारतीय सर्वेक्षण विभाग के अनुसार बंगसर .....अक्षांश तथा.....देशान्तर पर स्थित है।

3– भूगर्भीय स्थितिः–

यह संरेखन कुमायूँ लेसर हिमालय के अन्तर्गत अल्मोडा वर्ग के ग्रेनाइट–ग्रेनोडायोराइट वर्ग के नाइस–शिष्ट फार्मेशन एवं सरयू फार्मेशन में फैला हुआ है । स्थल क्षेत्र में मिट्टी के रंग की महीन एवं मोटे पर्तवाली ग्रेनाइट–नाईस–शिष्ट–क्वार्टजाईट चट्टानें, तीन प्रकार के ज्वाइन्ट से पूर्ण पूर्वोत्तर दिशा के झुकाव के साथ विद्यमान है । इस संरेखन में चट्टानों में किया गया अध्ययन निम्नवत् है।

46.	150 – 330	/ पूर्वोत्तर	/	31^0	नति
47.	150 – 330	/ पूर्वोत्तर	/	33^0	नति
48.	150 – 330	/ पूर्वोत्तर	/	35^0	नति
49.	60 – 240	/ पश्चिमोत्तर	/	55^0	संधि
50.	60 – 240	/ पश्चिमोत्तर	/	57^0	संधि
51.	60 – 240	/ पश्चिमोत्तर	/	590	संधि
52.	120– 300	/दक्षिण पश्चिम	/	350	संधि
53.	120 – 300	/दक्षिण पश्चिम	/	370	संधि
54.	120 – 300	/दक्षिण पश्चिम	/	390	संधि

चट्टानों के ऊपर डेब्रिस तथा उसके ऊपर मिट्टी की पर्त विद्यमान है। टेक्टोनिक कम निम्नवत् हैः–

<u>घास आदि</u>

<u>मिट्टी की महीन परत</u>

<u>डेब्रिस</u>

<u>ग्रेनाइट</u>

<u>नाइस</u>

<u>शिश्ट</u>

<u>नाइस</u>

<u>चट्टान</u>

चट्टानों के ऊपर घास आदि विद्यमान है। इस सम्पूर्ण संरेखन में पहाड़ी ढलान सामान्य से मध्यम स्थिति पूर्वोत्तर दिशा को है।

4– **स्थल वर्णन :–**

यह संरेखन राष्ट्रीय शीतलाखेत–कठपुड़िया–दौलाघट मोटर मार्ग के कि0मी0 11.00 से प्रारम्भ होकर 3.00 कि0मी0 लम्बाई में बंगसर ग्राम के बीच फैला हुआ है। यह संरेखन उक्त मोटर से प्रारम्भ होकर 3.00 लम्बाई में पश्चिमोत्तर दिशा को पूर्वोत्तर दिशा के पहाड़ी ढलान के साथ जाता है। इस संरेखन के कि0मी0 3.00 बंगसर ग्राम एवं प्राईमरी पाठशाला विद्यमान है।

यह सम्पूर्ण संरेखन नाप/ बेनाप भूमि से होकर गुजरता है। प्रारम्भ में यह संरेखन नाइसिक चट्टानी भाग को पार करता है। नाप भूमि के नीचे खेतों में चट्टाने विद्यमान है इस संरेखन में कई सूखे नाले विद्यमान है जिनको यह संरेखन पार करता है। इस संरेखन में कोई भी भू–स्खलन क्षेत्र विद्यमान नही है। इस संरेखन के नाप भूमि वाले भाग में कोई भी वृक्ष नही है। इस मोटर मार्ग के निर्माण हेतु दो संरेखन स्थल देखा गया जिसमें से द्वितीय संरेखन स्थल को भू–गर्भीय एवं पर्यावरणीय दृश्टिकोण से अनुचित एवं अनुपयुक्त पाते हुए चयंनित नही किया गया है। प्रथम संरेखन स्थल को भू–गर्भीय एवं पर्यावरणीय दृश्टिकोण से उचित एवं उपयुक्त पाते हुए चयनित किया गया है।

5– **स्थायित्व का विचारः–** इस सम्पूर्ण संरेखन में स्थल की स्थल संरचना व बनावट, स्थल वर्णन, भूगर्भीय, भूकम्पीय, भूजलीय एवं पर्यावरणीय आदि परिस्थितियों को देखते हुए इस सम्पूर्ण स्थल में मोटर मार्ग के निर्माण हेतु निम्न बिन्दुओं पर विचार करना आवश्यक हैः–

(1) यह पर्वतीय क्षेत्र में है ।

(2) यह भूकम्पीय क्षेत्र में है ।

(3) पर्यावरण का ध्यान रखा जाय।

(4) इस संरेखन में सम्पूर्ण भाग बेनाप/नाप भूमि है।

संलग्नक सं०- 2.28

(5) इस संरेखन मे कई ग्राम आते है।

(6) इस संरेखन कई प्राईमरी पाठशालायें एव मन्दिर विद्यमान है।

(7) इस में कई सूखे नाले विद्यमान है।

(8) इस संरेखन में कोई भी भूस्खलन क्षेत्र विद्यमान नही है।

(9) इस संरेखन में पहाड़ी ढलान सामान्य से मध्यम स्थिति में है।

6— सुझावः—

इस सम्पूर्ण संरेखन मे स्थल की स्थल संरचना व वनावट, स्थल वर्णन, स्थायित्व का विचार, भूगर्भीय, भूकम्पीय, भूजलीय एवं पर्यावरणीय परिस्थतियों आदि को देखते हुए इस भाग में मोटर मार्ग निर्माण हेतु निम्न सुझाव दिये जाते हैः—

47. सूखे नालों पर स्कपर / डबल स्कपर / कल्वर्ट / कॉजवे का निर्माण किया जाय।

48. पहाड़ी की ओर नाली का निर्माण किया जाय।

49. गॉव / मिट्टी / डेब्रिस वाले भाग में आव कतानुसार ब्रेस्ट / रिटेनिंग वॉल का निर्माण किया जाय।

50. गॉव वाले भाग में विस्फोटक सामग्री का प्रयोग न किया जाय।

51. मिट्टी वाले भाग में मोटर मार्ग के वाह्य भाग को ऊँचा रखा जाय ताकि वर्शा के दिनों में पानी वाह्य भाग को पार कर न बहे जिससे मार्ग यथावत बना रहे।

52. पर्वतीय क्षेत्र में बनने वाले मोटर मार्गो के मानकों के अनुसार उपाय किये जाय।

53. पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए मोटर मार्ग का निर्माण किया जाय।

54. भूकम्पीय मानक के अनुसार उपाय किये जाय।

55. अन्य आवश्यक उपाय जो मोटर मार्ग निर्माण में आव यक हो किये जाय।

7—निष्कर्ष

उपरोक्त वर्णित विन्दुओं को ध्यान में रखते हुए इस भाग में मोटर मार्ग निर्माण करना उचित एवं उपयुक्त प्रतीत होता है ।

6.7.2011

(गणि कर्णिका मिश्र)
भूवैज्ञानिक
कार्यालय मुख्य अभियंता, कुमायूँ क्षेत्र
लो0नि0विभाग,अल्मोड़ा